# द्विवर्षीय लोकसंगीत डिप्लोमा प्रथमवर्ष, परीक्षा–2016

## लोकसंगीत

### द्वितीय प्रश्न पत्र

समयः 3 घण्टे पूर्णांक–100 न्यूनांक–33

टीपः- कोई पांच प्रश्न हल कीजिये । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

+++

1. लोकनृत्यों में लोकवाद्यों की उपयोगिता को दर्शाते हुए नगाड़ा, ढोलक एवं मंजीरा लोकवाद्यों का सचित्र वर्णन कीजिये ।
2. लोकगाथा से आप क्या समझते हैं ? 'भरथरी' लोकगाथा को अपने शब्दों में वर्णन कीजिये ।
3. निम्न में से संबंधित किन्हीं दो गीतों का उल्लेख करते हुए उनके भावार्थ लिखियेः-

   अ- ऋतु संबंधी ब- श्रम संबंधी स- संस्कार संबंधी
4. छत्तीसगढ़ प्रदेश के पाँच लोकनृत्यों के नाम उल्लेखित करते हुए घुमर लोकनृत्य के अवसर, वेशभूषा एवं गीतों पर प्रकाश डालिये ।
5. "लोकनाट्य समाज का दर्पण है ।" उक्त कथन पर प्रकाश डालते हुए किसी एक लोकनाट्य का संक्षिप्त विवरण कीजिये ।
6. अलंकार के दस प्रकार लिखते हुए लोकसंगीत में प्रयुक्त किसी दो तालों को संकेत लिपि में लिखिये ।
7. राई एवं काकसार लोकनृत्य का वर्णन कर उसमें प्रयुक्त गीतों को लिखिये ।







8. करमा लोकनृत्य को निम्न बिन्दुओं के आधार पर वर्णन कीजियेः-

   अ- गीत ब- लोकवाद्य

   स- अवसर द- वेशभूषा ।
9. समाज में लोककला का क्या महत्व है ? निबंधात्मक वर्णन कीजिये ।
10. **(अ) उचित संबंध जोड़ोः-**

    **(i)** तीजनबाई - भरथरी

    **(ii)** हबीब तनवीर - नाचा

    **(iii)** गोविंदराम निर्मलकर - पंडवानी

    **(iv)** सुरुजबाई खाण्डे - पंथी

    **(v)** देवदास बंजारे - रंगकर्मी

    **(ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजियेः-**

    **(i)** कालबेलिया -----प्रदेश का प्रतिनिधि लोकनृत्य है ।

    **(ii)** राई ----- जनजाति के द्वारा किया जाता है ।

    **(iii)** गिद्दा ---- प्रदेश का लोकनृत्य है ।

    **(iv)** तर्पा ----- प्रदेश का लोकवाद्य है ।

    **(v)** भवई ---- प्रदेश का लोकनाट्य है ।

**xx**